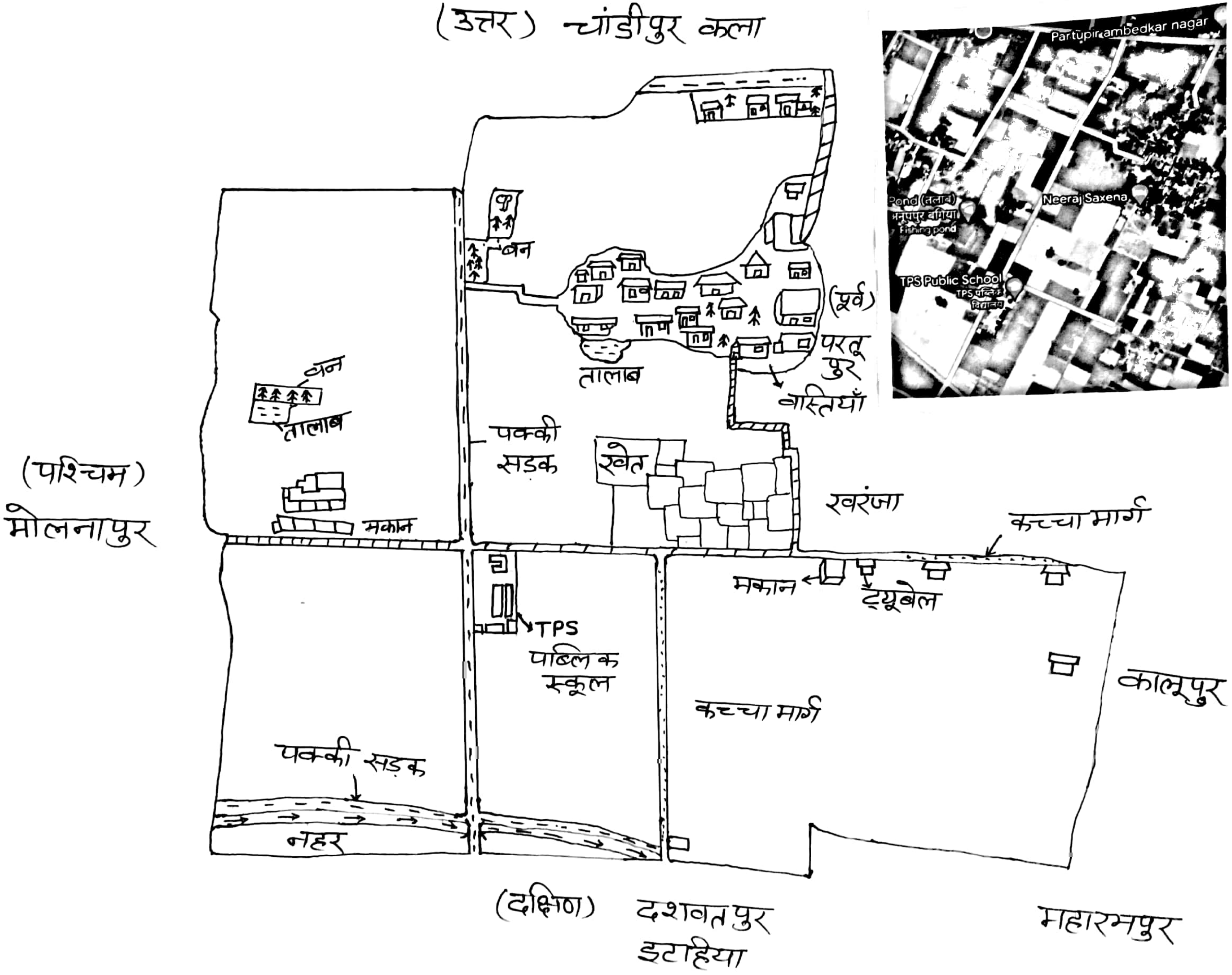

Scanned with CamScanner

सामान्य परिचय

मेरे गाँव का नाम 'अनूप पुर बगिया' है। पहले मेरा गाँव एक बड़े बगीचे की तरह सघन वृक्षों से ढका हुआ था। सघन वृक्षों के कारण ही गाँव का नाम 'बगिया' पड़ा।

गाँव के लोग प्रायः पारस्परिक व्यवसाय (जैसे- कृषि, पशुपालन आदि) करते हैं। गाँव के लोग एक दूसरे को बहुत अच्छी तरह जानते समझते हैं। महात्मा गाँधी ने 20 वीं शताब्दी के आरम्भ में कहा था कि 'भारत की आत्मा गाँवों में रहती है।' 2011 की भारत जनगणना के अनुसार 69 % भारतवासी गाँवों में रहते हैं और गाँवों की संख्या 6,49,481 है।

Scanned with CamScanner

स्थिति एवं विस्तार

बगियाँ गाँव के उत्तर में चाण्डिपुर कला और इसके दक्षिण में दशवत पुर इटहियाँ गाँव स्थित है। इसके पूर्व में परतू पुर और पश्चिम में मोलनापुर गाँव स्थित है। इसके दक्षिण - पूर्व में कालूपुर और महारमपुर स्थित है। बगियाँ गाँव लगभग 700 वर्गमिटर में फैला हुआ है।

धरातलीय उच्चावच

यह गाँव धरातलीय रूप मैदानी है। इस गाँव में कुछ तालाब, नहर, बगीचे इत्यादि हैं।

अपवाह प्रणाली

बगियाँ गाँव में पाँच तालाब, एक नहर है। नहर का प्रवाह पश्चिम से पूर्व की ~~है~~ तरफ है। यहाँ के कुछ तालाब सूख चुके हैं जिससे पशु - पक्षियों को पानी नहीं मिलता और उन्हें दूसरे तालाब पर जाना पड़ता है। जब सिंचाई करने की आवश्यकता पड़ती है तब यहाँ नहर में पानी नहीं आता है और कभी सिंचाई हो जाने पर नहर में पानी आ जाता है जिससे फसले अत्यधिक पानी के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है। किसानों को

Scanned with CamScanner

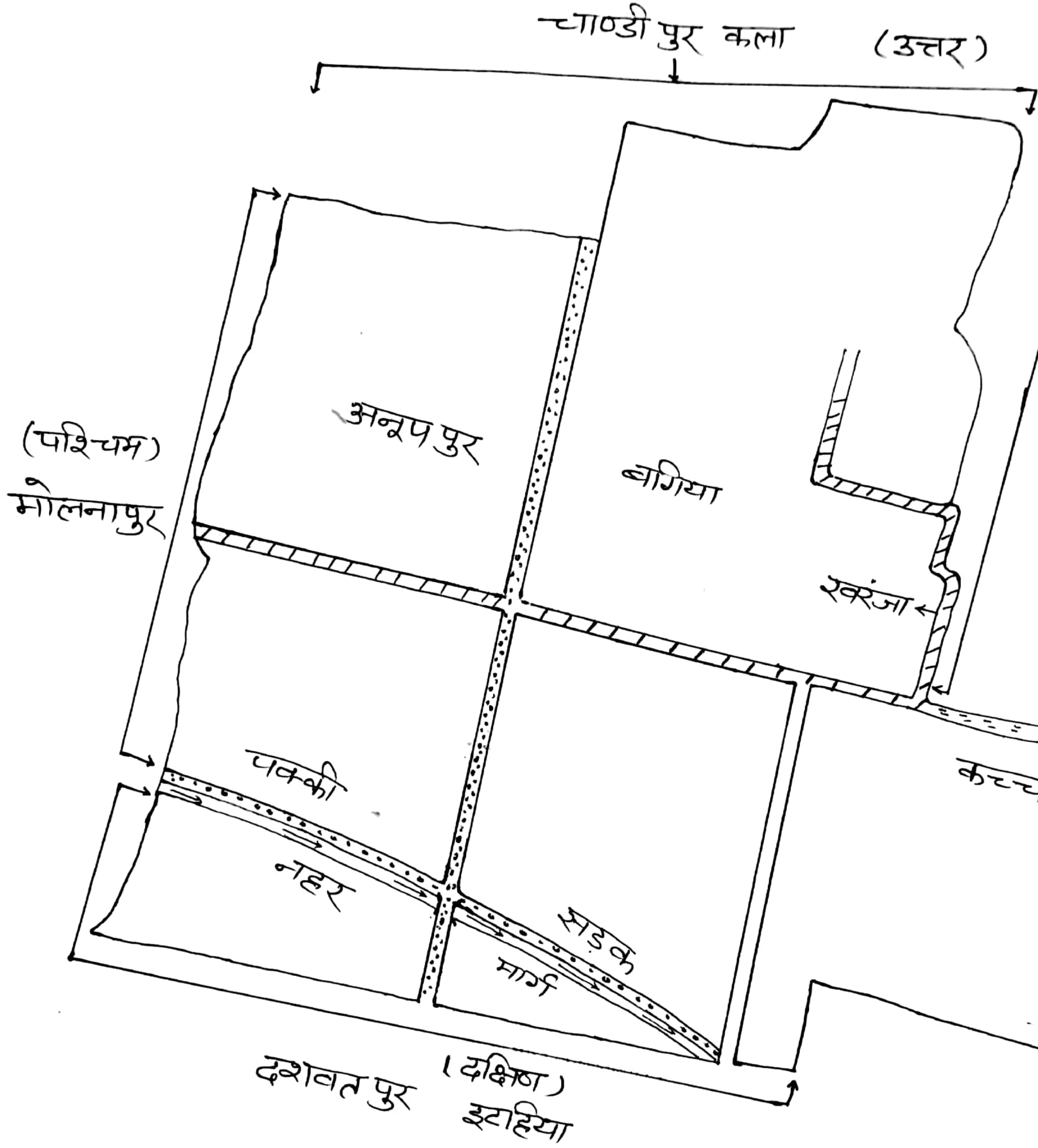

Scanned with CamScanner

अत्याधिक नुकसान हो जाता है।

उपाय :- इसका उपाय यह कि जो तालाब सुख चुके है। उन्हें ट्यूबेल या अन्य किसी साधन से पानी भरवाया जाय जिससे पशु- पक्षी आसानी से अपनी प्यास बुझा सके तथा उन्हें दूर - दूर तक भटकना ना पड़े। नहरों में पानी सिंचाई के आस जिससे फसलों की सिंचाई की जा सके। नहर दोनों किनारों पर सही से बाँध बनाया जाय जिससे फसलों का नुकसान हो और किसानों समृद्ध बने।

Scanned with CamScanner

प्राकृतिक वनस्पतियाँ

इस गाँव में तीन छोटे बगीचे हैं। उन बगीचों में आम, नीम, कटहल, खजूर, गुल्लर, बेल, शहतूत, जामुन आदि पेड़ पौधे हैं। कुछ कटीली झाड़ियाँ और अमरबेल की लताएँ हैं। उन बगीचों से हर साल पेड़ - पौधों लोग काटते जा रहे हैं जिससे वे बगीचे खत्म होने की कगार पर हैं। पेड़ -पौधों के कटने से पशु - पक्षी बगीचे छोड़कर चले जा रहे हैं। जिससे पर्यावरण का ह्रास होता चला जा रहा है।

उपाय:-

बगीचे को बचाने के लिए हमें पेड़- पौधे लगाने चाहिए। जो लोग पेड़ पौधे काट रहे हैं उन्हें काटने से रोकना चाहिए तथा उन्हें यह समझाना चाहिए कि यदि पेड़ - पौधे नहीं रहेंगे तो हमारा जीवन संकट में पड़ जाएगा। यदि पेड़ -पौधे रहेंगे तो हम उनसे फल, फूल, लकड़ी, हवा, छाया इत्यादि पाते रहेंगे। पेड़- पौधे लगाने से पर्यावरण प्रदूषित नहीं होगा तथा पर्यावरण सन्तुलन बना रहेगा।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

जलवायुविक दशा

यहाँ जलवायुविक दशा अच्छी है। यहाँ की उष्ण जलवायु है। यदि इसी तरह पेड़-पौधे कटते रहे तो यहाँ की जलवायु दशा पर खराब प्रभाव पड़ेगा।

मिट्टी एवं मिट्टी की दशाएँ

बगियाँ गाँव की मिट्टी दोमट है। जिसमे अच्छी फसलें पैदा होती हैं।

पशु पालन, कृषि एवं विकास

इस गाँव में छोटे किसान हैं जिनके पास बहुत अधिक कृषि भूमि नहीं है। कम खेती के कारण इन्हें पशुपालन में समस्या आती है। इस गाँव में इसीलिए कुछ ही लोग पशुपालन किए हैं।

Scanned with CamScanner

मानव व्यवसाय (कुटीर एवं आधुनिक उद्योग)

यहाँ कुछ लोग कृषि में संलग्न है। कुछ लोग पशुपालन, मुर्गीपालन, दुग्ध उत्पादन करते हैं। यहाँ के अधिकतर लोग शहरों में काम करते हैं। कुछ लोग व्यवसाय में लगे हुए हैं।

यातायात के साधन

यहाँ के कुछ लोगों के पास अपने यातायात के साधन हैं। कुछ लोगों के पास नहीं है। यहाँ की सड़कों की हालत बहुत खराब है। इस गाँव के खड़न्जे एवं कच्चे रास्ते की मरम्मत 15 वर्षों से नहीं हो रही है। खड़न्जे की दोनों तरफ का भाग नीचे दब गया है और बीच में उभरा हुआ है। तथा कहीं-कहीं रास्ते में गड्ढे बन गए हैं जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। कुछ लोग खड़न्जे से गिरकर घायल हो चुके हैं। कुछ रास्ते जल निगम के द्वारा गड्ढे खोदकर पाइप डालने से दब गए है और उनकी मरम्मत भी नहीं हुई। यहाँ के रास्ते खराब होने का कारण यहीं की जनता और गाँव का मुखिया है।

Scanned with CamScanner

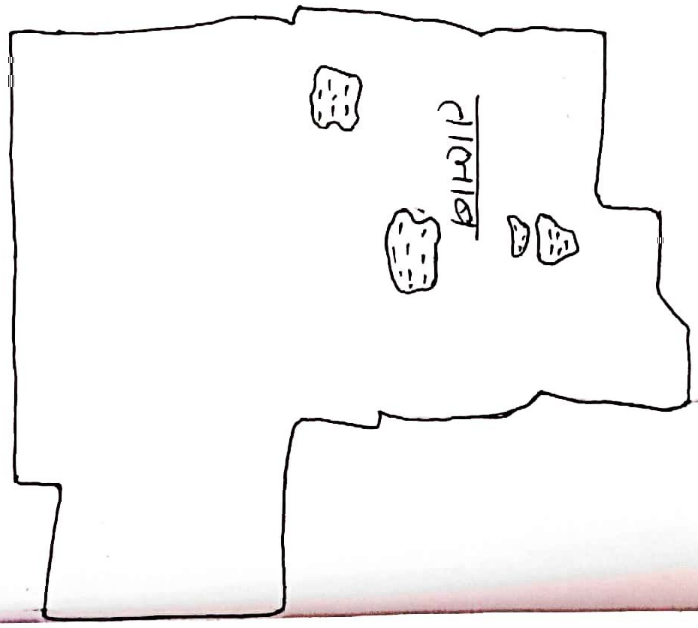

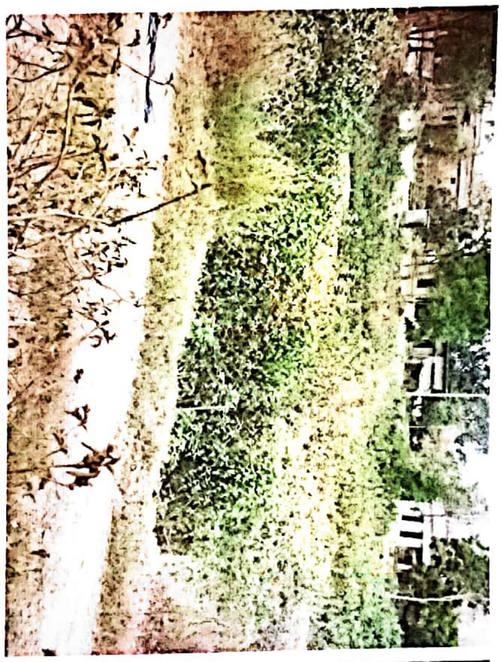

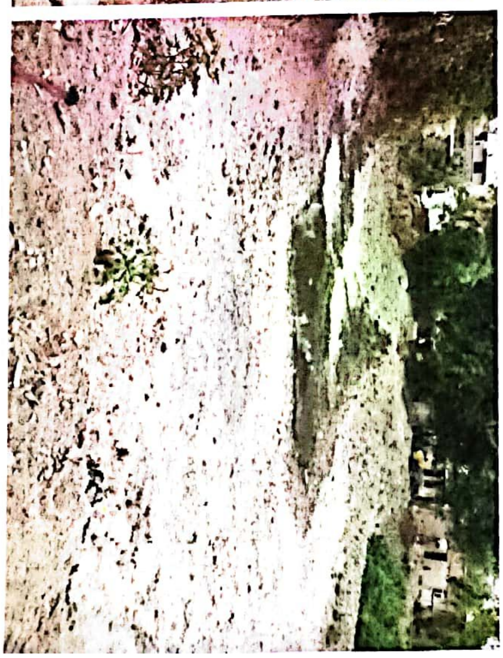

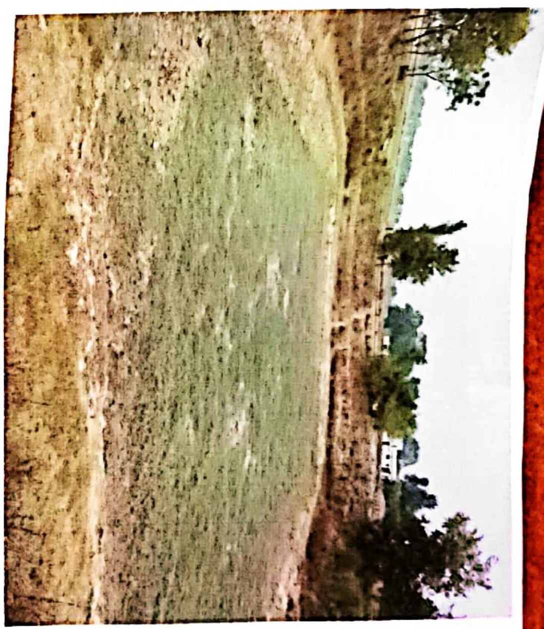

Scanned with CamScanner

उपाय :- यहाँ के रास्ते की हालत सुधारनी है तो यहाँ के लोगों को एक जुट होकर प्रधान से कहना चाहिए। यदि ग्राम प्रधान कुछ न करे तो इसकी शिकायत लिखे पर करनी चाहिए। चुनाव आने पर हमें पैसे का लालच छोड़कर गाँव की भलाई के बारे में सोचना और किसी अच्छे मुखिया का चुनाव करना चाहिए जो हमारी समस्या का समाधान कर सके।

Scanned with CamScanner

जनसंख्या विस्फोट एवं उनका नियंत्रण

यहाँ की जनसंख्या अधिक होती चली जा रही है। यदि इसी तरह जनसंख्या वृद्धि होती रही तो जीवन यापन कठिन होता जायगा और कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

जनसंख्या नियंत्रण:-

किसी भी देश या गाँव विकसित होनें जनसंख्या की अहम भूमिका होती है। निरंतर जनसंख्या वृद्धि होने से न केवल आर्थिक हानि ही नहीं अपितु किसी भी देश या गाँव के विकास में बाधा होती है। जनसंख्या वृद्धि होने से संसाधनों की निरंतर कमी होती जा रही है।

सभी राजनीतिक दल जनसंख्या वृद्धि को धर्म एवं जाति के चश्में से न देखकर जनसंख्या सम्बन्धित कानून को पारित करने में सरकार की मदद करें ताकि जनसंख्या विस्फोट की स्थिति को समय रहते रोका जा सके।

Scanned with CamScanner

सामाजिक रिति-रिवाज

बगियाँ गाँव में विभिन्न जातियों एवं धर्मों के लोग रहते हैं। हिन्दू धर्म के लोग होली, दीपावली, दशहरा, एवं नवराती मनाते हैं। बौद्ध धर्म के लोग अपने धर्म का प्रचार प्रसार करते हैं। सभी लोग मिल-जुलकर अपने-अपने त्योहार मनाते हैं। मिठाई बाँटते हैं नये-नये वस्त्र बाँटते हैं। सभी लोग प्रेम पूर्वक रहते हैं। कोई किसी से द्वेष भावना नहीं रखता है।

Scanned with CamScanner